योग योगेश्वर महाप्रभु रामलाल जी भगवान का 131 वां जन्मदिन - दो दिवसीय आध्यात्मिक आयोजन

भारत में सबसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों में से एक, हरिद्वार, में राम नवमी के एक भाग के रूप, योगेश्वर महाप्रभु रामलाल जी भगवान के 131 वें जन्मदिन के अवसर पर एक आध्यात्मिक कार्यक्रम के साथ आयोजित किया गया था। श्री स्वामी महेश्वरानंद सांगठित संस्कृत महाविद्यालय सूरतगढ़ी बंगला, संन्यास मार्ग, कनखल, हरिद्वार में 13 और 14 अप्रैल, 2019 को दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। हजारों उपस्थित लोगों ने एक परिपूर्ण संयोजन धार्मिक और आध्यात्मिक संगम (समामेलन) के साथ दिन की भावना को अपने तुच्छ अर्थ में मनाया ।

यह स्वामी सुरेंद्र देव जी महाराज के पुत्र और उत्तराधिकारी, योगाचार्य अमित देव, के योगेश्वर देवी दयाल जी महाराज के पोते के उदात्त मार्गदर्शन के तहत था, जो आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करने की योजना थी। योगाचार्य अमित देव 5 वीं पीढ़ी के पुराने संगठन श्री योग अभय आश्रम ट्रस्ट (SYAAT) है, जो 1888 से दुनिया भर में योग के प्रचार-प्रसार में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। आयोजन का मकसद योगी के जीवन जीने और मानव समाज की भलाई के लिए प्रोत्साहित करना है।

योगाचार्य अमित देव ने अक्सर इस बात पर गहन चर्चा की है कि योगेश्वर महाप्रभु रामलाल जी भगवान ने मानव रूप ग्रहण किया क्योंकि आज के लोग योग के प्राचीन ज्ञान को भूल गए हैं और समाज के भौतिकवादी लालच को महत्त्व दे रहे हैं। सही संतुलन खोजने और खोए हुए ज्ञान, रचना और शांति को बनाए रखने की आवश्यकता समय की आवश्यकता है। जबकि उनका मानना है कि दुनिया योगिक जिंदगी में वापस जाने वाली है।

यह कार्यक्रम दिल्ली में स्थित योगेश्वर देवदयाल महामंदिर के एक भाग के रूप में आयोजित किया गया था। पहले दिन, प्रातः 6 बजे से प्रारम्भ हुआ कार्यक्रम, जिसमें प्रथना (और अन्य आध्यात्मिक रूप से समृद्ध कार्यकलाप) शामिल थी। इसके बाद कलश पूजन, शोभा यात्रा, प्रतिष्ठा का आयोजन किया था। सत्संग और भंडारा का आयोजन रात 8 बजे से

शुरू हुआ आध्यात्मिक ऊर्जा को बाहर निकालने के लिए। चौदह तारीख को यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे तक चला। दोपहर में भंडारे के साथ भक्त पूरी तरह से समृद्ध हो गए। यह आयोजन सभी के लिए था जो भी जीवन में एक संतुलन पाने की कामना करते हैं।